Seventeenth Loksabha

an>

Title : Need to rejuvenate Mula Mutha river in Maharashtra under 'Namami Chandrabhaga Project

श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक निम्बालकर (माधा): सभापति महोदय**,** पुणे की मुला-मूठा नदी महाराष्ट्र और देश की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है। लापरवाही और अनदेखी का शिकार बनी यह नदी प्रदूषण से जूझ रही है। बता दें कि बिना ट्रीटमेंट के नदी में सीवेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट फेंक दिया जाता है। इससे नदी में ऐंटीबायॉटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया बढ़ता जा रहा है। यह नदी आगे जाकर भीमा नदी में मिलती है जिससे भीमा नदी भी बहुत प्रदूषित हो गयी है। भीमा नदी का पानी उज्णी डैम में जमा होता है। प्रदूषित पानी के कारण डैम में प्रदूषित तेल और अन्य पदार्थों की लगभग 1 इंच मोटी परत जमी हुई है जो कि बहुत ही जानलेवा साबित हो रही है। उज्णी डैम का पानी आगे चंद्रभागा नदी में जाकर मिलता है जो कि पंढरपुर स्थित भगवान विट्ठलजी और माता रुक्मणी जी के विश्व विख्यात मंदिर से होकर गुजरती है।

माननीय सभापति: माननीय सदस्य, जो आपने लिख कर दिया है, कृपया उसी को पढ़िए। वही रिकॉर्ड में जाएगा।

श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक निम्बालकर : जी सर, विट्ठल दर्शन के लिए आने वाले लाखों भक्त पहले चंद्रभागा का पवित्र स्नान करते हैं और उनका तीर्थ (प्रदूषित चंद्रभागा का जल) अपने मुख में लेते हैं और फिर विट्ठुरया के दर्शन के लिए जाते हैं। आगे इस नदी का जल हमारे लोकसभा क्षेत्र माधा एवं सोलापुर जिले के अन्य भागों के लोग पीने एवं सिंचाई के लिए इस्तेमाल करते हैं। महोदय, नमामि चंद्रभागा परियोजना के तहत इस नदी का कायाकल्प करने हेतु उचित कदम उठाने की कृपा करें।